**भारत सरकार**

**वित्त मंत्रालय**

**आर्थिक कार्य विभाग**

**राज्य सभा**

**तारांकित प्रश्न संख्या \*204**

**(जिसका उत्तर मंगलवार, 01 जनवरी, 2019/11 पौष, 1940 (शक) को दिया जाना है।)**

**सकल घरेलू उत्पाद और प्रतिव्यक्ति आय में वृद्घि का आम लोगों पर प्रभाव**

**\*204. श्री विशम्भर प्रसाद निषाद**:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि सकल घरेलू उत्पाद की वृद्घि दर संतोषजनक है जबकि प्रतिव्यक्ति आय में वृद्घि की दर संतोषजनक नहीं है;

(ख) विगत तीन वर्षों में क्रमश: सकल घरेलू उत्पाद तथा प्रतिव्यक्ति आय में कितनी-कितनी वृद्घि दर्ज हुई है; और

(ग) क्या यह भी सच है कि आर्थिक विकास तथा सकल घरेलू उत्पाद में वृद्घि का प्रभाव आम आदमी के दैनिक जीवन पर नहीं पड़ रहा है जिसके कारण वे बेहतर सुविधाओं का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**वित्त मंत्री (श्री अरुण जेटली)**

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

**श्री विशम्भर प्रसाद निषाद द्वारा पूछे गए, 01 जनवरी, 2019 को उत्तरार्थ राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 204\* के उत्तर में संदर्भित विवरण।**

(क) और (ख): विगत तीन वर्षों के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) और प्रतिव्यक्ति निवल राष्ट्रीय आय (एनएनआई) की वृद्धि दर, स्थिर (2011-12) कीमतों पर, सारणी 1 में दी गई है।

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| **सारणी 1 : जीडीपी और प्रतिव्यक्ति एनएनआई की वृद्धि दर (प्रतिशत)** | | | |
|  | **2015-16** | **2016-17(पहला सं.अ.)** | **2017-18 (अ.अ)** |
| जीडीपी | 8.2 | 7.1 | 6.7 |
| प्रतिव्यक्ति एनएनआई | 6.9 | 5.7 | 5.4 |
| स्रोत: केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ)  टिप्पणी: पहला सं.अ.: पहला संशोधित अनुमान; अ.अ: अनंतिम अनुमान | | | |

भारत की जीडीपी वृद्धि दर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में उच्चतम रही है। विगत तीन वर्षों के दौरान प्रतिव्यक्ति आय में औसत वृद्धि दर 6 प्रतिशत थी। भारत ही विश्व के कुछेक देशों में से ऐसा देश है जिसकी विगत तीन वर्षों के दौरान 6 प्रतिशत या इससे अधिक की प्रतिव्यक्ति आय रही है।

(ग): विगत तीन वर्षों के दौरान प्रतिव्यक्ति आय में उच्च वृद्धि दर लोगों के उन्नत जीवन-स्तर में परिदृष्ट होती है। भारत की खपत बढ़ी है। इस संबंध में सबूत भी उपलब्ध है कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग टिकाऊ वस्तुओं पर अधिक खर्च कर रहे हैं। औसत जीवन प्रत्याशा में वृद्धि, बाल मृत्यु दर में आई कमी आदि से भी कुछ हद तक अपेक्षाकृत अधिक प्रतिव्यक्ति आय के संकेत मिलते हैं। इसके अलावा, सरकार स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, आवास, गरीबी उन्मूलन, सामाजिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई लक्षित पहलें करती रहती है। प्रमुख पहलों में प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई), महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, प्रधानमंत्री आवास योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम), दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम), राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली/राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना आदि शामिल हैं। सरकार प्रौद्योगिकी का लाभ भी उठा रही है, उदाहरणार्थ आय में सुधार तथा समाज के कमजोर वर्गों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाने के लिए प्रत्यक्ष लाभ अंतरण का उपयोग।

**\*\*\*\*\***